भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1347
दिनांक 09.02.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

क्षमता निर्माण

1347. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः
डॉ जयंत कुमार राय:
श्री भोला सिंहः

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विश्व भर में भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाने के लिए किसी ढांचागत तंत्र की स्थापना की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) सॉफ्ट पावर को सुदृढ़ करने की दिशा में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की नई पहल क्या है और इसके लिए बजटीय व्यय का ब्यौरा क्या है;
(ग) उन देशों का ब्यौरा क्या है जहां ये पहलें चल रही हैं;
(घ) क्या सरकार वैश्विक मंच पर भारत के हित को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करने का विचार रखती है; और
(ङ) यदि हां, तो इसके लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्रीमती मीनाक्षी लेखी]

(क) से (ङ) मंत्रालय के मार्गदर्शन में, आईसीसीआर ने सांस्कृतिक संबंधों को विकसित करने और अन्य देशों के साथ आपसी समझ बनाने के लिए कई नई पहल की हैं। इसने योग, शास्त्रीय नृत्य, संगीत आदि जैसी चल रही गतिविधियों के अलावा भारत की लोकतांत्रिक साख, व्यंजन, कला और शिल्प को पेश करने में नए प्रयास किए हैं। आईसीसीआर विदेश में अपने सांस्कृतिक केंद्र चलाता है जो भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए नियमित गतिविधियां संचालित करते हैं और भागीदार देशों के साथ सांस्कृतिक आदान–प्रदान को प्रगाढ़ करता है। आईसीसीआर नियमित रूप से विदेश में प्रदर्शन करने के लिए सांस्कृतिक मंडलियों को प्रायोजित करता है और अन्य देशों से आने वाली सांस्कृतिक मंडलियों की मेजबानी भी करता है। वर्ष 2023–24 के दौरान, आईसीसीआर ने इंडो–लैटिन अमेरिका सांस्कृतिक महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय नृत्य और संगीत महोत्सव, अंतर्राष्ट्रीय लोक नृत्य महोत्सव का आयोजन किया, जिसके लिए चिली, इक्वाडोर, कोलंबिया, रूसी संघ, कजाकिस्तान, साइप्रस, क्यूबा, इथियोपिया, वियतनाम, क्रोएशिया, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, श्रीलंका, थाईलैंड, पनामा, रोमानिया और इराक सहित बड़ी संख्या में देशों के सांस्कृतिक दलों ने भाग लिया।

आईसीसीआर की कुछ पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:
(i) मौजूदा ए 2 ए पोर्टल को अपडेट करना;
(ii) अपने छात्रवृत्ति कार्यक्रमों के लिए एक नया पोर्टल, ज्ञान सेतु लॉन्च करना;
(iii) शैक्षणिक संस्थानों और राष्ट्रीय सरकारों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना;

(iv) नॉलेज इंडिया विजिटर्स प्रोग्राम का आयोजन करना, जिसमें भारत से संबंधित विषयों को पढ़ाने वाले विदेशी विश्वविद्यालयों में विभागाध्यक्षों को आमंत्रित करना;
(v) अन्नपूर्णा प्रमाणपत्र की शुरुआत करना और विदेश में भारतीय व्यंजनों और पाक परंपराओं को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, श्रीलंका, कोस्टा रिका, ओमान, स्वीडन और मंगोलिया के चयनित रेस्तरां को सम्मानित करना; और
(vi) 2023–24 के दौरान जेन–नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम के तहत विभिन्न देशों के 138 युवा नेताओं और बुद्ध भूमि वंदन यात्रा कार्यक्रम के तहत बौद्ध देशों के 28 नेताओं की मेजबानी करना।

साझेदार देशों के साथ क्षमता संवर्धन की दृष्टि से, आईसीसीआर अपनी 21 छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत विदेशी नागरिकों को छात्रवृत्ति स्लॉट प्रदान करता है। 2023–24 के दौरान, 3775 ऐसे छात्रवृत्ति स्लॉट की पेशकश की गई थी। वर्तमान में, आईसीसीआर ने विदेश में विभिन्न विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन पर 17 पीठ तैयार किए हैं। इनमें इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, दर्शनशास्त्र, बौद्ध अध्ययन, तमिल, हिंदी, संस्कृत और हिंदी–सह–उर्दू की पीठ शामिल हैं।

वर्ष 2023–24 में आईसीसीआर को आवंटित बजट 345.21 करोड़ रु. था।

*****